साहित्य अकादमी ने किया दलित चेतना बहुभाषी कविता पाठ का आयोजन

संवाददाता, कोलकाता

बाबा साहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर महानगर स्थित साहित्य अकादेमी के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 'दलित चेतना' कार्यक्रम के अंतर्गत बहुभाषी कविता पाठ का आयोजन किया गया. अकादमी के क्षेत्रीय सचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने औपचारिक स्वागत करते हुए बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन और संघर्ष को महत्वपूर्ण बताया. कहा कि आंबेडकर का जीवन हमें प्रेरणा तो देता ही है, लेकिन उनका संघर्ष हमें हारने नहीं देता है. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बांग्ला दलित साहित्य के मनोहर मौली विश्वास ने बाबा साहेब के जीवन से सीखने और उसे लागू करने की बात कही. असिस्टेंट प्रोफेसर व हिंदी कवि डॉ कार्तिक चौधरी ने बाबा साहेब के जीवन को आधार बनाकर कविता का पाठ किया. मौके पर आशीष हीरा ने राम राजत्व, गृहज, दास दासत्व कविता का पाठ किया. वहीं, वरिष्ठ कवि श्यामल कुमार प्रमाणिक ने हे आमार स्वदेश, एबार घूरे दारानो जाक कविता का पाठ किया. भोजपुरी कवि रामजीत राम उन्मेष ने मजदूरन का हाल, मरत बाटे जनता शीर्षक कविताओं का गीतात्मक शैली में पाठ किया. शशि कुमार शर्मा ने जब तक है संविधान तथा अन्य कविताओं का पाठ किया. अकादमी के कार्यक्रम अधिकारी मिहिर कुमार साहू ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

प्रभात खबर
Wed, 07 December 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71072364